

DPN 6189

Title : चक्रसमाधि CAKRASAMĀDHĪ

Run. No. 6880

Cat. No.

Micro. No.

Subject मान्त्रिक विधि
Tantric Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / नेपालमात्रा निदेश गन गन /

Size in cms. 19.5 X 8

Folios 3

Lines (in a page) 6

newa direction partly.

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ संपूर्ण चक्र समाधि समाप्त ॥

पत्नी जीवन्त्या दीप काल रागा श्री मूरान्ता
रासा श्री स्वस्ति श्री सार्वभौम ज्ञान्या दीप काल रागा श्री
मूरान्ता स्वस्ति श्री सार्वभौम ज्ञान्या दीप काल रागा श्री
मूरान्ता स्वस्ति श्री सार्वभौम ज्ञान्या दीप काल रागा श्री
मूरान्ता स्वस्ति श्री सार्वभौम ज्ञान्या दीप काल रागा श्री

निकात्रुयेवस्वागतेर्वयमयस्मि विनाय ॥ ओं मदनिवजिरुववजवध्वं ॥ ओं वज्रपाकान
हंखेंद्रं ॥ ओं वज्रयेजवद्रं ॥ ओं वज्रविनातद्रं ॥ ओं वज्रसवजावंगं ॥ ओं वज्र
कागतनाकद्रं ॥ इं कावजागदिष्टाकावसमीक्षयनिवसितानिह विविद्यान् हृदयकिन्व
न ॥ ओं अघघाटयस्सर्वदृष्टावद्रं ॥ ओं कीमयस्सर्वयापानद्रं ॥ ओं वज्रकिन्ववज्र
धवाश्रापयन्निस्सर्वविघ्नविनायका नां कायवाकतिरुवकां किन्वयद्रं ॥ ओं वज्रम्
गवज्रकीन्वयनाकाटयश्राकाटयद्रं ॥ ६६ ॥ विघ्नं वलावयन् ॥ ॥ न न ॥

